महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.आ. जवासिया, उज्जैन – 456006 (म.प्र.)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan

(Ministry of Education, Govt. of India)

Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN – 456006 (M.P.)

- सूचना -

विषय- सभी वेद एवं आधुनिक अध्यापक महानुभावों के संज्ञान हेतु

भारत सरकार द्वारा दिनांक 29-7-2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृति दी गई थी। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** का अनुसरण प्रतिष्ठान के पाठ्यक्रमों के मान्यता हेतु अनिवार्य है। भारत सरकार से प्राप्त अनुदान को वेद अध्यापन के सुचारु व्यवस्था हेतु प्रतिमाह दिया जाता है, अतः प्रतिमाह परीक्षा से अध्ययन प्रगति का निरीक्षण जरूरी है। सरकारी पालिसी के अन्तर्गत हमें कार्य करना है, जिस उद्देश्य से अनुदान दिया जाता है उसकी सफलता के लिए कार्य करना है। दिनांक 01-11-2021 के शासी परिषद समावेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 3+4 ढांचे के अन्तर्गत सात वर्ष पाठ्यक्रम का पुनः गठन किया गया है। प्रत्येक माह के अध्ययन विषय एवं उन मंत्रों के संख्या आदि का उल्लेख किया जा चुका है, वेव साईट पर उपलब्ध है। आधुनिक विषयों का भी समय समय पर निरीक्षण हेतु परीक्षाएं होंगी।

छोटे छोटे माड्यूल पर परीक्षा लेने का प्रावधान :-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 4.38 के अन्तर्गत संवन्धित अध्ययन के वाद छोटे छोटे माड्यूल पर परीक्षा लेने का प्रावधान है, काफी कम पाठ्यक्रम से प्रत्येक टेस्ट लिया जायेगा जो कि संवन्धित कोर्स के तुरन्त वाद लिया जायेगा, जिसे वेद के मासिक परीक्षा के रूप निर्देशित किया गया है। प्रत्येक 15 दिनों में वेद परीक्षा आयोजित करने की परम्परा वेद अध्ययन में रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रशिक्षण :-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 5.15 के अन्तर्गत अध्यापकों को गुणवत्ता हेतु प्रतिवर्ष 50 घंटे प्रशिक्षण देने का निर्देश है। इसके अन्तर्गत अध्यापकों को प्रतिष्ठान में वुलाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रतिष्ठान का वेद एवं आधुनिक पाठ्यक्रम:-

आप सभी के संज्ञान में है कि प्रतिष्ठान का पाठ्यक्रम 2018 से लागू है, परीक्षा भी संपन्न कि जा चुकी है। वेद भूषण 1-5, तथा वेदविभूषण 1-2 तक आधुनिक में लेखन परीक्षा जारी है, भारत सरकार-एन सी ई आर टी द्वारा उपलब्ध

कराए गए पाठ्यपुस्तकों के मूल बिन्दुओं पर आधुनिक विषय अध्यापन कराने हेतु निर्देश जारी है। सभी विषय जुलाई 2017 में शासी परिषत् से अंगीकृत है।

एन सी ई आर टी के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक :-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 4.32 के अन्तर्गत यह लिखा गया है कि एन सी ई आर् टी के पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य मानदंड के रूप में लिया जायेगा। यह भी उल्लिखित है कि एन सी ई आर टी द्वारा सभी पाठ्यपुस्तकों को डाउनलोड और प्रिंट करने कि सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। यह सभी अध्यापकों को पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि प्रतिष्ठान गुणवत्ता को ध्यान में रखकर, वेदभूषण एवं वेदविभूषण के आधुनिक विषयों के अध्यापन में एन सी ई आर टी द्वारा निर्मित पुस्तकों का अनुसरण करेगा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप प्रतिष्ठान के पुस्तक बनने तक।

एन सी ई आर टी (NCERT) द्वारा निर्मित पुस्तक (हिन्दी में एवं अंग्रेजी में) देश के सभी स्थानों पर सुलभता से उपलब्ध होते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किये गये प्रतिष्ठान के आधुनिक पाठ्यपुस्तक भी उपयोग हेतु वेबसाईट् पर शीघ्र उपलब्ध होंगे, तथा उन के विषयों पर सभी के कमेंट प्राप्त होने के बाद ही/ राष्ट्र स्तर पर एन सी ई आर टी पुस्तकों के प्राप्ति के बाद ही मुद्रित कराया जायेगा। तब तक एन सी ई आर टी द्वारा निर्मित पुस्तक के मूल बिन्दुओं पर, जैसा कि पूर्व से विगत चार साल में निर्देशित है, चला आ रहा, उस तरह आधुनिक विषय अध्यापन करा सकेंगे। यह आधुनिक विषय अध्यापकों की स्वयं की जिम्मेदारी है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली :-

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली का पाठ्यक्रम में समावेश भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बिन्दु 4.16, 4.17, 4.27, 4.28, 4.30 में उपलब्ध है। यह भारतीय ज्ञान प्रणाली का पाठ्यांश भारत के धरोहर को समझने, राष्ट्रीय अस्मिता की जागृति के लिए अत्यन्त आवश्यक है ।

पारम्परिक विद्यालयों को मेन – स्ट्रीमिंग - मुख्य अध्ययन धारा से जोडना :-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 6.15 के अन्तर्गत पारम्परिक विद्यालयों को मेन – स्ट्रीमिंग - मुख्य अध्ययन धारा से जोडने की पालिसी है, जिससे उच्चतर शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए अवसर होंगे। पाठ्यक्रमों, परीक्षा, तथा अन्य शैक्षिक गतिविधि जैसे कम्प्यूटर शिक्षण आदि का विरोध करने से प्रतिष्ठान बोर्ड गठन एवं पाठ्यक्रम का मान्यता हेतु बाधा होगी। सभी लोग यह समझ लें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विरोध करना प्रतिष्ठान के पाठ्यक्रमों के

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.आ. जवासिया, उज्जैन – 456006 (म.प्र.)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan

(Ministry of Education, Govt. of India)

Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN – 456006 (M.P.)

समकक्ष मान्यता हेतु घातक है। बोर्ड गठन प्रक्रिया हेतु विरोधी गतिविधि है। गुरु शिष्य इकाई में आधुनिक विषय अध्यापन की जिम्मेदारी स्वयं गुरु की है, यदि उन में कोई बाधा है, तो वे स्वयं नजदीकी पाठशाला में संयोजित हो सकेंगे, जिसके लिए भविष्य में विचार होगा, नोटिफिकेशन जारी होगा।

अतः किसी भी व्यक्ति स्वयं, या अन्य लोगों से मिलकर, समूह में आकर प्रतिष्ठान परिसर में जमा होना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विरोध करना, पाठ्यक्रम का विरोध करना, परीक्षा का विरोध करना, प्रतिष्ठान विरोधी गतिविधि मानी जायेगी। ऐसे व्यक्तियों पर सरकारी कामकाज में बाधा डालने, सरकारी पालिसी के विरोध करने की बात को अभिलेखित किया जायेगा। इसके जो भी परिणाम भविष्य में होंगे, उसके लिए वे व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सक्षम अधिकारी के स्वीकृति से निर्गत किया गया।

भवदीय

(डा. अनूप कुमार मिश्र)

अनुभाग अधिकारी (प्र.)

दिनांक :- 30-7-2022